RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

# इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 18 OCTOBER TO 24 OCTOBER 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 5 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

भारत के व्यापार घाटे में कमी, 5 महीने में सबसे कम
Page 2

इंडियन इकोनॉमी 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी
Page 3

ग्लाइडर से उड़कर इजरायल में घुसे थे हमास आतंकी, अब भारत ने लिया बड़ा फैसला
Page 4

## editoria!

### संसद के पाले में गेंद

आखिरकार, सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक शादी को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया। ऐसे कपल्स को गोद लेने का अधिकार भी नहीं मिला। इसी साल अप्रैल और मई में सुनवाई पूरी करने के करीब पांच महीने बाद मंगलवार को आया यह फैसला थ्ऊँऊँ बिरादरी और उसके समर्थकों के लिए निराशाजनक कहा जाएगा। खासकर इसलिए भी कि 2018 में समलैंगिक रिश्तों को प्रतिबंधित करने वाली धाराएं सुप्रीम कोर्ट की ओर से खारिज किए जाने के पांच साल बाद उम्मीद की जा रही थी कि शीर्ष अदालत के दखल से समाज इस दिशा में एक कदम और आगे बढ़ेगा। वह संभव नहीं हुआ। हालांकि फैसले को देखने से यह भी साफ होता है कि सुप्रीम कोर्ट समलैंगिक रिश्तों को किसी भी मायने में कमतर समझे जाने के पक्ष में नहीं है। फैसले में अलग-अलग तरह से यह बात रेखांकित की गई है कि ऐसे रिश्ते बनाने वालों के साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए और सभी सुविधाओं तक उनकी निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाने चाहिए। कोर्ट के फैसले का मुख्य आधार यह रहा कि इन शादियों को कानूनी मान्यता देने का सवाल विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। संवैधानिक लिहाज से यह आधार वाजिब है और अपनी सीमा का सम्मान कर सुप्रीम कोर्ट ने सही किया। लेकिन अहम सवाल यह है कि क्या संसद इस दिशा में अपनी तरफ से पहल करके ऐसा कोई कानून बनाएगी? इसमें कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। जब बतौर नागरिक दो वयस्क व्यक्ति अपनी इच्छा से संबंध बनाने और साथ रहने के हकदार हैं तो उनके उस संबंध को कानूनी मान्यता भी मिलनी ही चाहिए। इस दिशा में मौजूदा नियम-कानूनों की जो बाधाएं हैं, उन्हें दूर किया जाना चाहिए। यह काम संसद कर सकती है और उसे करना भी चाहिए। लेकिन जो तथ्य इस बारे में ज्यादा आशान्वित नहीं होने दे रहा वह है मौजूदा सरकार का इस सवाल पर दिखा रुख। सरकार ने इस मामले में कोर्ट में दोहराया कि समलैंगिक शादियों को कानूनी मान्यता नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि इससे कई तरह की कानूनी उलझनें पैदा होंगी। यही नहीं, उसका यह भी कहना था कि यह एक इलीटिस्ट और शहरी अवधारणा है और इस तरह का संबंध रखने वाले लोगों की संख्या देश में बहुत कम है। हालांकि ण्ब्ब ने अपने फैसले में साफ कहा कि इसे सिर्फ इस आधार पर शहरों तक सीमित अवधारणा नहीं कहा जा सकता कि ऐसे संबंधों के ज्यादातर उदाहरण शहरों में ही देखने को मिलते हैं। इसका कारण यह हो सकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में समाज के दबाव में लोग ऐसे संबंध खुलकर स्वीकार नहीं कर पाते। बहरहाल, इससे इतना तो स्पष्ट है ही कि संसद के मौजूदा बहुमत से इस दिशा में किसी कारगर पहल की उम्मीद नहीं की जा सकती।

# कच्चा तेल हुआ और महंगा, इस वजह से कीमत में 2% का उछाल

**एजेंसी**

13 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में अमेरिकी कच्चे तेल के स्टॉक में लगभग 44 लाख बैरल की गिरावट आई। यह एनालिस्ट्स के पूर्वानुमानित 300,000 बैरल की गिरावट से कहीं ज्यादा है। मंगलवार को गाजा सिटी अस्पताल में हुए विस्फोट में लगभग 500 फिलिस्तीनियों के मारे जाने के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है। इसके लिए इजराइली और फिलिस्तीनी अधिकारी एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। बुधवार 18 अक्टूबर को शुरुआती कारोबार में तेल की कीमतों में लगभग 2 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, इजराइल हमास संघर्ष के गहराने के चलते मिडिल ईस्ट से सप्लाई में रुकावट की चिंताओं के बीच अमेरिकी कच्चे तेल के भंडार में अनुमान से अधिक गिरावट आई है। इस वजह से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया। ब्रेंट क्रूड वायदा 1.62 डॉलर या 1.8% उछलकर 91.49 डॉलर प्रति बैरल पर गया। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड (डब्ल्यूटीआई) वायदा 1.77 डॉलर या 2% बढ़कर 88.43 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट के आंकड़ों का हवाला देते हुए मार्केट सोर्सेज ने कहा कि 13 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में अमेरिकी कच्चे तेल के स्टॉक में लगभग 44 लाख बैरल की गिरावट आई। यह एनालिस्ट्स के पूर्वानुमानित 300,000 बैरल की गिरावट से कहीं ज्यादा है। इस बारे में आधिकारिक अमेरिकी सरकारी डेटा बुधवार को आने वाला है।

### गाजा सिटी अस्पताल में विस्फोट से और बढ़ा तनाव

मंगलवार को गाजा सिटी अस्पताल में हुए विस्फोट में लगभग 500 फिलिस्तीनियों के मारे जाने के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है। इसके लिए इजराइली और फिलिस्तीनी अधिकारी एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, मंगलवार को वेनेजुएला की सरकार और उसके राजनीतिक विपक्ष ने 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए चुनावी गारंटी पर सहमति जताई है। इससे संभावित अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत का रास्ता साफ हो गया, जिससे तेल आपूर्ति को बढ़ावा मिल सकता है।

### अमेरिका ने 2019 में लगाया था यह प्रतिबंध

अमेरिका ने 2019 से वेनेजुएला से तेल के एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध लगा रखा है। अब जब प्रतिबंधों में राहत से तेल सप्लाई को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है तो ऐसे में एनालिस्ट्स का मानना है कि निवेश की कमी के कारण देश से सप्लाई में वृद्धि में समय लगेगा।

# सेंसेक्स गिरकर 66,000 के आया नीचे

## निवेशकों के 2.39 लाख करोड़ डूबे, बाजार पर छाई यह चिंता

## BSE में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप आज घटकर 321.43 लाख करोड़ रुपये हो गया

**एजेंसी।** इजराइल हमास के बीच जंग के बढ़ने की चिंता से बुधवार 18 अक्टूबर को भारतीय शेयर बाजारों में तेज गिरावट आई। सेंसेक्स जहां 550 अंक टूटकर 66.000 के नीचे चला गया। वहीं निफ्टी भी 19,700 के नीचे फिसल गया। इसके चलते निवेशकों के आज शेयर बाजार में करीब 2.39 लाख करोड़ रुपये डूब गए। ब्रॉडर मार्केट में भी बिकवाली का दबाव रहा। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.85 फीसदी गिरकर बंद हुआ। वहीं स्मॉलकैप इंडेक्स 0.32 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। फार्मा को छोड़कर बाकी सभी सेक्टोर इंडेक्स भी लाल निशान में बंद हुए। कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स (BSE Sensex) 551.07 अंक या 0.83ङ्क की गिरावट के साथ 65.877.02 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का 50 शेयरों वाला इंडेक्स निफ्टी (Nifty) 140.40 अंक या 0.71% टूटकर 19.671.10 के स्तर पर बंद हुआ।

### निवेशकों के 2.39 लाख करोड़ डूबे

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज 18 अक्टूबर को घटकर 321.43 लाख करोड़ रुपये पर आ गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार 17 अक्टूबर को 323.82 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह BSE में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 2.39 लाख करोड़ रुपये घटा है। या दूसरे शब्दों में कहें तो निवेशकों की वेल्थ में करीब 2.39 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है।

### सेंसेक्स के 5 सबसे ज्यादा चढ़ने वाले शेयर

सेंसेक्स के 30 में से सिर्फ 4 शेयर ही आज बढ़त के साथ बंद हुए। इसमें भी टाटा मोटर्स (Tata Motors) के शेयरों में सबसे अधिक 1.92 फीसदी की तेजी रही। वहीं सन फार्मा (Sun Pharma), मारुति सुजुकी (Maruti) Suzuki) और महिंद्रा एंड महिंद्रा (M&M) के शेयर करीब 0.27% से लेकर 1.46% तक की तेजी के साथ बंद हुए।

### सेंसेक्स के 5 सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर

वहीं सेंसेक्स के बाकी 8 शेयर आज लाल निशान में बंद हुए। इसमें से बजाज फाइनेंस का शेयर 2.85 फीसदी की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स रहा। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 1.42 फीसदी से लेकर 2.02 फीसदी तक की गिरावट देखी गई।

# इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन में आया उछाल 14 महीनों के हाई लेवल पर पहुंचा

**नई दिल्ली। एजेंसी**

विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से देश में औद्योगिक उत्पादन अगस्त में 10.3 प्रतिशत बढ़कर 14 महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बृहस्पतिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन में पिछले साल अगस्त में 0.7 प्रतिशत की गिरावट आई थी।इससे पहले, जून, 2022 में औद्योगिक उत्पादन में सर्वाधिक 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इस बीच, जुलाई के लिए आईआईपी वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर छह प्रतिशत कर दिया गया है। पहले इसके 5.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

### बीते साल आई थी गिरावट

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान आईआईपी वृद्धि 6.1 प्रतिशत रही, जो पिछले साल इसी अवधि में 7.7 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में अगस्त में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि अगस्त, 2022 में इसमें 0.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

आलोच्य महीने में खनन उत्पादन 12.3 प्रतिशत बढ़ा, जबकि पिछले साल अगस्त में इसमें 3.9 प्रतिशत की गिरावट आई थी। वहीं बिजली उत्पादन में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल इस दौरान 1.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। उपयोग-आधारित वर्गीकरण के अनुसार, पूंजीगत सामान खंड में इस साल अगस्त में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो पिछले साल अगस्त में 4.3 प्रतिशत थी।

### वस्तुओं का उत्पादन बढ़ा

अगस्त में टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में 5.7 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले की अवधि में इसमें 4.4 प्रतिशत की गिरावट आई थी। गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में अगस्त में नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल इसी महीने में नौ प्रतिशत की गिरावट आई थी। बुनियादी ढांचे/निर्माण वस्तुओं के मामले में अगस्त में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल अगस्त में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

# भारत की पहली रैपिड रेल 20 अक्टूबर से चलेगी

## 30 हजार करोड़ लागत आई, 3 और रूट पर चलेगी

**नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क**

देश की पहली रैपिड ट्रांजिट रेल बनने की शुरुआत के 4 साल बाद जनता को मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 अक्टूबर को सुबह लगभग 11:15 बजे उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद रैपिडएक्स स्टेशन पर दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के प्राथमिकता वाले सेक्शन का उद्घाटन करेंगे। वह भारत में रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (ऊए) के शुभारंभ के साथ साहिबाबाद को दुहाई डिपो से जोड़ने वाली रैपिडएक्स ट्रेन को भी रवाना करेंगे।

**दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर-** दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के 17 किलोमीटर लंबे सेक्शन का उद्घाटन किया जाएगा। यह रूट गाजियाबाद, गुलधार और दुहाई स्टेशनों के साथ साहिबाबाद को दुहाई डिपो से जोड़ेगा। प्रधानमंत्री ने 8 मार्च 2019 को दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर की आधारशिला रखी थी।

**ट्रांजिट रेल सिस्टम 180 किमी प्रति घंटे क्षमता से लैस-** नए विश्व स्तरीय परिवहन बुनियादी ढांचे के निर्माण के माध्यम से देश में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम प्रोजेक्ट विकसित किया जा रहा है। आरआरटीएस एक नई रेल-आधारित सेमी हाई स्पीड और हाई फ्रीक्वेन्सी वाली कम्प्यूटर ट्रांजिट प्रणाली है। यह ट्रांजिट रेल सिस्टम 180 किमी प्रति घंटे की गति से चलने के साथ हर 15 मिनट में इंटरसिटी आवागमन के लिए हाई-स्पीड ट्रेन सुविधा देने के लिए डिजाइन किया गया है।

**30 हजार करोड़ से अधिक की लागत आई-** दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तैयार किया जा रहा है। यह साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक पूरी तरह ऑपरेशनल होने के तैयार है। जबकि, गाजियाबाद से मुरादनगर और मोदीनगर होते हुए मेरठ को जोड़ने वाला रूट लगभग बन चुका है। रैपिड रेल एक घंटे से भी कम समय में दिल्ली को मेरठ से जोड़ देगी।

## विदेशी मुद्रा भंडार में आई बड़ी गिरावट, लगातार पांचवें सप्ताह घटा

**नई दिल्ली। एजेंसी**

देश का विदेशी मुद्रा भंडार छह अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 2.17 अरब डॉलर घटकर 584.74 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 3.79 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 586.91 अरब डॉलर था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुए दबावों के बीच आरबीआई ने रुपये की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्राभंडार में कमी आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, छह अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 70.7 करोड़ डॉलर घटकर 519.53 अरब डॉलर रही। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.42 अरब डॉलर घटकर 42.31 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.5 करोड़ डॉलर घटकर 17.92 अरब डॉलर रहा। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.9 करोड़ डॉलर घटकर 4.98 अरब डॉलर रहा।

# चीन का बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट बना दुनिया के लिए कर्ज का दलदल

## अरबों लेकर बुरे फंसे हैं ये देश

**बीजिंग। एजेंसी**

चीन के बड़े प्रोजेक्ट बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के 10 साल होने पर दुनियाभर के नेता बीजिंग में जुटे हैं। बीआरआई की 10वीं वर्षगांठ पर रूस के राष्?ट्रपति व्?लादिमीर पुतिन समेत 130 देशों के नेता शामिल हुए हैं। जिनपिंग ने इस प्रोजेक्ट को दुनिया के लिए बदलने वाला कहा है। पुतिन ने भी इसके लिए चीन की जमकर तारीफ की है। एक तरफ इस प्रोजेक्ट की तारीफों के पुल बांधे जा रहे हैं, वहीं कई देश इस परियोजना का हिस्सा बनकर खुद को कर्ज के दलदल में फंसा पा रहे हैं। बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट चाइनीज डेवेलपमेंट बैंक के लोन के जरिए विदेशों में परिवहन, ऊर्जा और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के कार्यक्रम के तौर पर हुई। जिसका मकसद आर्थिक तौर पर दुनियाभर के साथ चीन को जोड़ना भी था। कुल 152 देशों ने चीन के साथ बीआरआई एग्रीमेंट साइन किया। उम्मीदों के साथ इस पहल से जुड़े कई देशों को उस तरह के रिजल्ट नहीं मिले, जैसी उनको उम्मीद थी। चीन इस प्रोजेक्ट के तहत एक बड़ा फाइनेंसर बन गया, तो वहीं दूसरी ओर कई देशों के लिए ये कर्ज का ट्रैप साबित हुआ है।

### चीनी बैंकों के कर्ज लौटाने में नाकाम हो रहे कई देश

चाइनीज डेवेलपमेंट बैंकों ने दुनियाभर के देशों को बीआरआई प्रोजेक्ट के लिए लोन मुहैया कराए हैं। कई सरकारें एक दशक के बाद भी इस कर्ज को लौटाने में नाकाम रही हैं। जिससे कर्ज के एक ट्रैप में ये सरकारें फंसती दिख रही हैं। कर्ज से निकलने के लिए श्रीलंका को 99 साल के लिए अपना पोर्ट चीन को लीज पर देना पड़ा है। अमेरिका पहले ही चीन पर कर्ज ट्रैप डिप्लोमेसी चलाने का आरोप लगा चुका है। बीआरआई प्रोजेक्ट में जिस तरह से कुछ देश कर्ज में फंसे हैं, उससे अमेरिका के आरोपों को भी ताकत मिल गई है।

चीनी बैंकों की ओर से दिया गया भारी भरकम लोन जांबिया, पाकिस्तान, श्रीलंका जैसे देशों के कर्ज में डूबने की बड़ी वजह बना है। इटली को भी इस प्रोजेक्ट में काफी नुकसान होने की बात वहां के अर्थशास्त्री कह रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि जिस तरह कमजोर देश कर्ज के जाल में फंसे हैं, उससे आने वाले समय में इस प्रोजेक्ट को देखने का नजरिया भी बदलेगा। भविष्य में बीआरआई के प्रोजेक्ट छोटे-छोटे हो सकते हैं। इसके साथ ही दूसरे देश चाइनीज बैंकों से लोन लेने के बजाय चीन के सीधे निवेश करने पर ज्यादा भरोसा करेंगे। बड़े प्रोजेक्ट के लिए भी अब चीन को ही ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ सकता है।

# त्योहार, चुनाव से इकोनॉमी को मिलेगी रफ्तार

## GDP पर इस फर्म को कॉन्फिडेंस

**नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क**

भारत इस समय 34 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी के साथ अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। एडवाइजरी फर्म डेलॉयट इंडिया ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5-6.8 प्रतिशत के दायरे में रह सकती है। त्योहारी मौसम में खर्च बढ़ने और अगले साल आम चुनावों के पहले सरकारी खर्च बढ़ने से इस वृद्धि को समर्थन मिलेगा। डेलॉयट ने महीने की शुरुआत में जारी अपनी इंडिया इकोनॉमी आउटलुक रिपोर्ट में कहा है कि भारत को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए हर वित्त वर्ष में कम से कम 6.5 प्रतिशत की वृद्धि की जरूरत होगी। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के लिए सालाना आठ-नौ प्रतिशत आर्थिक वृद्धि की जरूरत होगी। जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही, जो कि एक साल पहले की अवधि के 7.2 प्रतिशत से अधिक है।

क्या कहा गया है रिपोर्ट में: डेलॉयट इंडिया ने कहा, 'पहली तिमाही की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए हमने इस वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान को संशोधित किया है। हमें उम्मीद है कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.5-6.8 प्रतिशत के दायरे में बढ़ेगा। इसका मुख्य कारण आने वाले महीनों में त्योहारी खर्च बढ़ना और उसके बाद अगले साल के मध्य में होने वाले चुनावों से पहले सरकारी खर्चों में तेजी आना है।' इसके साथ ही डेलॉइट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी से निपटना निस्संदेह आसान नहीं होगा। घरेलू मांग पर निर्भर है ग्रोथ: उन्होंने कहा कि भारत को अपनी आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए अपनी घरेलू मांग पर निर्भर रहना होगा और इसके लिए विशेष रूप से निजी खपत और निवेश खर्च पर ध्यान देना होगा। भारत इस समय 3.4 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी के साथ अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके साथ ही डेलॉयट ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर अगले साल 6.5 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान जताया है।

# भारत के व्यापार घाटे में कमी, 5 महीने में सबसे कम

**मुंबई। एजेंसी**

आर्थिक मोर्चे पर राहत की खबर है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी किए ट्रेड के आंकड़ों के अनुसार भारत के व्यापार घाटे (Trade Deficit) में कमी आई है। यह 5 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया है। सरकार की ओर से इंपोर्ट को कम करने के प्रयासों के मद्देनजर भारत का मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट यानी व्यापार घाटा सितंबर में गिरकर 19.37 बिलियन डॉलर रहा है, जो कि पांच महीने में सबसे कम है। अगस्त में ट्रेड डेफिसिट 24.2 बिलियन डॉलर रहा था, जबकि इसके पहले जुलाई में ये 20.7 बिलियन डॉलर था। अगस्त में ट्रेड डेफिसिट 10 महीने में सबसे ज्यादा रेकॉर्ड हुआ था। मई में ये 22.1 बिलियन डॉलर था। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा, 'भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है और हम मतभेदों को दूर कर रहे हैं।'

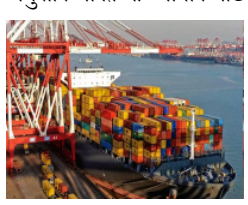

### 2.6% कम हुआ एक्सपोर्ट

देश का एक्सपोर्ट इस साल सितंबर में 2.6 प्रतिशत घटकर 34.47 अरब डॉलर रहा। पिछले साल इसी महीने में एक्सपोर्ट 35.39 अरब डॉलर था। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार सितंबर में इंपोर्ट भी 15 प्रतिशत घटकर 53.84 अरब डॉलर रहा। पिछले साल इसी महीने में यह 63.37 अरब डॉलर था। इससे व्यापार घाटा सितंबर 2023 में 19.37 अरब डॉलर रहा।

### 12.23 की गिरावट इंपोर्ट में

चालू वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-सितंबर के दौरान एक्सपोर्ट 8.77 प्रतिशत घटकर 211.4 अरब डॉलर रहा। वहीं इन छह महीनों में इंपोर्ट 12.23 प्रतिशत गिरकर 326.98 अरब डॉलर रहा। अगस्त में सालाना आधार पर इंपोर्ट और एक्सपोर्ट दोनों में गिरावट दर्ज की गई थी। अगस्त एक्सपोर्ट में 6.9% और इंपोर्ट में 5.2% की गिरावट रही थी।

### गोल्ड इंपोर्ट में हुआ इजाफा

गोल्ड इंपोर्ट में इस साल इजाफा देखा जा रहा है और पिछले साल इसमें गिरावट देखी गई थी। सोने के इंपोर्ट पर लगी ड्यूटी के चलते इंपोर्ट में गिरावट देखी गई थी। इसके अलावा पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स, कीमती स्टोन्स, चांदी, कोयला, कोक के इंपोर्ट में भी गिरावट देखी गई।

# इंडियन इकोनॉमी 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी

## JP Morgan के जेम्स सुलिवान का अनुमान

**नई दिल्ली। एजेंसी**

जेम्स सुलिवान ने इंडिया से एक्सपोर्ट में तेज इजाफे का भी अनुमान जताया। उन्होंने कहा कि अभी इंडिया का एक्सपोर्ट 500 अरब डॉलर से कम है। इसके बढ़कर 1 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि इंडिया की जीडीपी का आकार बढ़ने में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का बड़ा हाथ होगा। अभी इंडिया की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी 17 फीसदी है। इसके बढ़कर 25 फीसदी तक पहुंच जाने का अनुमान है। ऐसे में एक्सपोर्ट बढ़कर 1 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगा

इंडिया के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने में ज्यादा देर नहीं है। अगर व्ह श्र्दुंह के जेम्स सुलिवान की मानें तो इंडिया 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन सकता है। सुलिवान जेपी मॉर्गन में एशिया पैसेफिक इक्विटी रिसर्च के डायरेक्टर हैं। उन्होंने साल 2030 में इंडियन इकोनॉमी का आकार बढ़कर 7 लाख करोड़ डॉलर हो जाने का अनुमान जताया है। उन्होंने इंडियन इकोनॉमी के बारे में खुलकर बातचीत की। उन्होंने इंडिया से एक्सपोर्ट में तेज इजाफे का भी अनुमान जताया।

### जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा हाथ

उन्होंने कहा कि अभी इंडिया का एक्सपोर्ट 500 अरब डॉलर से कम है। इसके बढ़कर 1 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि इंडिया की जीडीपी का आकार बढ़ने में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का बड़ा हाथ होगा। अभी इंडिया की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी 17 फीसदी है। इसके बढ़कर 25-फीसदी तक पहुंच जाने का अनुमान है। ऐसे में एक्सपोर्ट बढ़कर 1 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगा।

### ग्लोबल ग्रोथ का इंजन बन सकता है इंडिया

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि ऐसी कई चीजें हैं जो लंबी अवधि में इंडिया के काफी मजबूत बनने का संकेत दे रही हैं। लंबी अवधि में इंडिया इकोनॉमी के ओवर ऑल स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव आने जा रहा है। ऐसे में आगे कई सेक्टर के लिए बड़े मौके बनते दिख रहे हैं। हमारा मानना है कि इंडिया कुल मिलाकर एक स्ट्रॉन्ग मार्केट होगा। इस महीने की शुरुआत में बार्कलेज ने कहा था कि अगर इंडिया ग्लोबल ग्रोथ का इंजन बनना चाहता है तो उसे सालाना 8 फीसदी ग्रोथ हासिल करनी होगी और चीन से आगे निकलना होगा।

### सालाना 6 फीसदी ग्रोथ के रास्ते पर इंडियन इकोनॉमी

Barclay के एनालिस्ट के मुताबिक, इंडिया की ग्रोथ दूसरे देशों के मुकाबले काफी ज्याद रही है। इनफ्लेशन के कम रेट के साथ इंडिया ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इकोनॉमी में स्टैबिलिटी के साथ इंडिया कम से कम 6 फीसदी जीडीपी ग्रोथ के रास्ते पर दिख रहा है। जब दुनिया में कई तरह की मुश्किलें दिख रही हैं. तब पिछले दो साल से इंडिया ने अच्छी स्टैबिलिटी दिखाई है। मीडियम टर्म में इंडिया सबसे तेजी से ग्रोथ वाली इकोनॉमी के रूप में दिख रहा है। इस साल और अगले साल ग्लोबल इकोनॉमी की ग्रोथ कमजोर रहने की आशंका है।

# लैपटॉप, कंप्यूटर के इंपोर्ट पर बैन नहीं, सिर्फ निगरानी रखेगी सरकार

**नई दिल्ली। एजेंसी**

भारत में लैपटॉप और कंप्यूटर के इंपोर्ट पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा। सरकार सिर्फ उनकी खेप की निगरानी करेगी। एक टॉप अधिकारी ने यह बात कही। सरकार ने अगस्त में कहा था कि लैपटॉप, टैबलेट और कंप्यूटर सहित इन उत्पादों को एक नवंबर से लाइसेंस व्यवस्था के तहत रखा जाएगा। इस लिहाज से यह बात महत्वपूर्ण है। बता दें कि भारत हर साल लगभग 7-8 अरब डॉलर मूल्य के इन सामानों का इंपोर्ट करता है। कॉमर्स सेक्रेटरी सुनील बर्थवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि हमारा विचार है कि लैपटॉप पर इस तरह का कोई प्रतिबंध नहीं है। हम केवल यह कह रहे हैं कि लैपटॉप का आयात करने पर उनकी कड़ी निगरानी रखी जाएगी, जिससे हम इन आयातों पर नजर रख सकें। इसका प्रतिबंधों से कोई लेना-देना नहीं है। इस बारे में डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (DGFT) संतोष कुमार सारंगी ने कहा कि इंपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम एक नवंबर से लागू होगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में काम प्रगति पर है। उम्मीद है कि यह 30 अक्टूबर से पहले हो जाएगा।

### लगाया था बैन

केंद्र सरकार ने 3 अगस्त को लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर और अल्ट्रा-स्मॉल कंप्यूटर और सर्वर के आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया था। क्या वजह थीः सरकार ने घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और चीन जैसे देशों से आयात में कटौती करने के लिए यह कदम उठाया था। लेकिन इस अधिसूचना के बाद आईटी हार्डवेयर उद्योग ने चिंता जताई थी। केंद्र का कहना है : सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजना और सीमा शुल्क बढ़ाना शामिल है।

# दिल्ली में RBI के आगे लगी है 2000 के नोट वालों की लाइन

**नई दिल्ली। एजेंसी**

दिल्ली में आरबीआई के दफ्तर की है। ये लोग 2000 रुपये का नोट बदलवाने के लिए लाइन में लगे हैं। दरअसल बैंक में जाकर 2000 रुपये का नोट बदलवाने या जमा करने की डेडलाइन सात अक्टूबर को खत्म हो चुकी है लेकिन इसके बावजूद आरबीआई के ऑफिस के बाहर काफी भीड़ देखी जा रही है। केंद्रीय बैंक ने 2000 रुपये का नोट बैंक में जाकर जमा करवाने या बदलवाने के लिए करीब साढ़े चार महीने का समय दिया था। पहले इसकी डेडलाइन 30 सितंबर थी जिसे बढ़ाकर सात अक्टूबर किया गया था। लेकिन कई लोगों ने इस दौरान नोट नहीं बदला और न ही इसे जमा किया। ऐसे लोगों के लिए आरबीआई ने एक सर्कुलर जारी किया था। इसके मुताबिक जो लोग सात अक्टूबर 2023 तक नोट नहीं बदल पाए, वे आरबीआई के 19 क्षेत्रीय कार्यालय से जाकर नोट बदल सकते हैं।

आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये के नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। 2,000 रुपये के नोट को नवंबर, 2016 में नोटबंदी के बाद शुरू किया गया था। लेकिन यह नोट लंबे समय तक नहीं चल पाया। साल 2018-19 में ही 2000 के नोटों की छपाई बंद की दी थी। धीरे-धीरे एटीएम से भी यह निकलना बंद हो गया। मई में आरबीआई ने 2,000 रुपये के नोट को बंद करने की घोषणा की थी। उसका कहना था कि जिस मकसद के लिए इसे लाया गया था, वह पूरा हो चुका है। बैंक ने पहले इसके लिए 30 सितंबर की डेडलाइन रखी थी जिसे बाद में बढ़ाकर सात अक्टूबर कर दिया गया था। बैंक के मुताबिक 30 सितंबर तक 96 परसेंट 2000 रुपये के नोट सिस्टम में वापस आ चुके हैं।

### कितने नोट जमा नहीं हुए

30 सितंबर तक के आंकड़ों को देखें तो चार परसेंट 2000 रुपये के नोट अब भी लोगों के पास हैं। अब इन नोटों को बैंक में जाकर जमा नहीं कराया जा सकता है और न ही बदला जा सकता है। हालांकि सात अक्टूबर की डेडलाइन के बाद भी यह लीगल टेंडर बना हुआ है। लेकिन इसे केवल आरबीआई में ही बदला जा सकता है। इसके लिए आपको यह स्पष्टीकरण देना होगा कि आपने समय रहते इसे जमा क्यों नहीं कराया या बदला क्यों नहीं। हालांकि आपको इस बात का ध्यान रखना है कि आप एक बार में 20 हजार से ज्यादा के नोट नहीं बदले पाएंगे।

# रिजर्व बैंक ने केवाईसी अपडेट पर जारी किया नया आदेश, बैंक ग्राहक भी जरूर जान लें

**नयी दिल्ली। एजेंसी**

केंद्रीय रिजर्व बैंक ने बैंकों से नो योर कस्टम (KYC) के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को ग्राहकों की जांच-पड़ताल व्यवस्था को और मजबूत किये जाने के लिये पहल की है। इसके तहत बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से समय-समय पर KYC (Know Your Customer) अपडेट को लेकर जोखिम आधारित रुख अपनाने को कहा गया है।

### RBI ने मास्टर डायरेक्शन में किया बदलाव

केंद्रीय बैंक ने समीक्षा के बाद केवाईसी को लेकर 'मास्टर' दिशानिर्देश में संशोधन किया है। इसके तहत बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और आरबीआई के दायरे में आने वाली अन्य इकाइयों को अपने ग्राहकों के लिये निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत जांच-पड़ताल करनी होगी।

### क्यों हुआ ये बदलाव?

सरकार के मनी लांड्रिंग निरोधक नियम, गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी वितरण प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियों का निषेध) अधिनियम से संबंधित नये निर्देशों के बाद आरबीआई का यह संशोधन आया है।

### FATF की सिफारिशों पर आईं गाइडलाइंस

रिजर्व बैंक ने कहा कि उसने ईंऊइ (वित्तीय कार्रवाई कार्यबल) की सिफारिशों के मुताबिक कुछ निर्देशों को भी अपडेट किया है। ताजा मास्टर निर्देशों में कहा गया है कि केवाईसी के समय-समय पर अपडेट के लिये जोखिम पर आधारित नजरिये में बदलाव किया गया है। इसके तहत, केंद्रीय बैंक के नियमन के दायरे में आने वाली इकाइयों को केवाईसी के समय-समय अपडेट के लिये जोखिम-आधारित दृष्टिकोण अपनाना होगा। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ग्राहकों से संबंधित जांच-पड़ताल के तहत एकत्र की गई जानकारी खासकर जहां जोखिम अधिक है, उसे बनाये रखा जाए।

## इजराइल-हमास हमले के बीच यूएन ने किया बड़ा ऐलान

# इस प्रस्ताव पर कराएगा मतदान

UN on Israel Hamas War: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार को एक प्रस्ताव पर मतदान होने वाला है जिसमें इजराइल पर 'हमास द्वारा किए गए जघन्य आतंकवादी हमले' के साथ साथ आम नागरिकों पर हिंसा की निंदा की गई है और गाजा में जरूरतमंद लाखों लोगों को मदद पहुंचाने की अपील की गई है। ब्राजील द्वारा पेश किए गए मसौदा प्रस्ताव के अंशों को लेकर बातचीत मंगलवार को भी जारी रही और मसौदा प्रस्ताव के जिस अंतिम संस्करण पर मतदान होना है, वह मंगलवार देर रात तक भी जारी नहीं हो पाया।

### रूस ने की है दो संशोधनों की पेशकश

इस दौरान परिषद ने सोमवार शाम को रूस द्वारा तैयार उस मसौदा प्रस्ताव को खारिज कर दिया जिसमें हिंसा एवं नागरिकों के खिलाफ आतंकवाद की तो निंदा की गई थी और 'मानवीय संघर्ष विराम' का आह्वान किया गया था, लेकिन इसमें हमास का जिक्र नहीं किया गया था। रूस ने ब्राजील के प्रस्ताव में दो संशोधन की पेशकश की है जिस पर पहले मतदान होगा। इनमें से एक पेशकश में 'मानवीय संघर्ष विराम' का आह्वान किया गया है।

### अस्पताल में भीषण विस्फोट पर आपात बैठक में होगी चर्चा

अन्य संशोधन में नागरिकों पर निरंतर हमलों और अस्पतालों एवं स्कूलों जैसे 'असैन्य संस्थानों' पर हमलों की निंदा की गई है जो लोगों को जीवित रहने के साधनों से वंचित करते हैं। ब्राजील इस महीने सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता कर रहा है और उसके संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि मतदान के बाद एक आपात बैठक की जाएगी जिसमें गाजा सिटी के अस्पताल पर भीषण विस्फोट एवं उसके बाद लगी आग की घटना पर चर्चा की जाएगी। इस अस्पताल में पहले से ही घायल मरीजों की भरमार थी और फलस्तीनियों ने भी यहां शरण ली थी। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया कि विस्फोट में कम से कम 500 लोगों की मौत हुई है।

बता दें कि इजराइल और हमास में जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन इजराइल पहुंच गए हैं। बाइडेन के इस दौरे के दौरान इजराइल और हमास के बीच जंग के समाधान पर चर्चा होगी। इससे पहले बाइडेन ने गाजा के अस्पताल पर अटैक के बाद 500 लोगों के मरने की घटना की निंदा की थी। बाइडेन के तेल अवीव पहुंचने पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गले मिलकर बाडेन की अगवानी की।

## इजराइल-हमास युद्ध का आपकी जेब पर असर

# इकोनॉमी को भी नुकसान, लेकिन कुछ फायदे भी

**नई दिल्ली। एजेंसी**

इजराइल-हमास युद्ध ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। युद्ध का असर सिर्फ इजरायल और फिलिस्तीन तक सीमित नहीं रह जाएगा, बल्कि आज के ग्लोबल इकॉनमी के दौर में दुनियाभर के देश इससे प्रभावित होंगे। भारत भी इससे अछूता नहीं रह पाएगा। भारत की इकॉनमी पर भी इसका असर तो पड़ना तय है। भारत की अर्थव्यवस्था भी इससे प्रभावित होगी। जहां एक ओर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने की आशंका बढ़ गई है तो वहीं कच्चे तेल की कीमतों का असर पेट्रोल और डीजल के दामों पर दिखने लगेगा।

### भारत पर युद्ध का असर

भारत पर इजरायल हमास युद्ध का असर तो दिखना लगभग तय माना जा रहा है। इस युद्ध का असर इकॉनमी से लेकर आम जनता की जेब पर होगा। इजरायल और फिजिस्तीन के साथ कारोबार और आयात-निर्यात पर तो असर पड़ेगी ही, वहीं महंगाई से परेशान आम आदमी की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। रोजमर्रा की चीजों से लेकर कर्ज, निवेश सबपर असर पड़ सकता है। इजराइल-हमास युद्ध से कच्चे तेल की कीमत बढ़ने की आशंका है। चूंकि भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरत का अधिकांश हिस्सा आयात करता है ऐसे में अगर कच्चे तेल की कीमत बढ़ी तो पेट्रोल-डीजल के दामों पर असर होगा।

### भारत की इकॉनमी पर असर

इतना ही नहीं 5G कनेक्टिविटी का विस्तार लटक सकता है। अगर ये युद्ध लंबा चला तो डॉलर के मुकाबले रुपये की वैल्यू पर भी असर होगा। रुपये की वैल्यू में 3 से 4 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है। युद्ध के कारण आयात-निर्यात प्रभावित होगा, जिसकी वजह से डायमंड ज्वैलरी का कारोबार प्रभावित होगा। इसके अलावा दवा समेत भारत के कारोबार पर बुरा असर पड़ सकता है। इतना ही नहीं जी20 में प्रस्तावित इंडिया-मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कोरिडोर में देरी हो सकती है। इस वजह की वजह से निर्यातकों के लिए शिपिंग कॉस्ट बढ़ सकती है।

### भारत की ओर देख रही टेक कंपनियां

इजरायल हमास युद्ध के कई खराब प्रभाव है तो कुछ अच्छे भी है। इस संघर्ष के बढ़ने से कारोबार पर असर पड़ सकता है। युद्ध का असर टेक कंपनियों पर होना तय है।अगर संघर्ष लंबा चला तो टेक कंपनियां अपना ठिकाना बदल सकती है।इंटेल, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल सहित 500 से अधिक ग्लोबल कंपनियों के ऑफिस इजराइल में हैं। मान जा रहा है कि इजरायल और हमास युद्ध के चलते ये कंपनियां अपना परिचालन इजरायल से शिफ्ट कर भारत ला सकती है।

# अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बाद अब ब्रिटिश झ्श ऋषि सुनक जाएंगे इजरायल

## बेंजामिन नेतन्याहू से करेंगे मुलाकात

**लंदन। एजेंसी**

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बाद अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक इजरायल के दौरे पर जाएंगे। समाचार एजेंसी रायटर ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय का हवाला देते हुए बताया कि ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक इजरायल जाएंगे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से मुलाकात करेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बाद अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक (British PM Rishi Sunak) इजरायल के दौरे पर जाएंगे। समाचार एजेंसी रायटर ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय का हवाला देते हुए बताया कि ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक इजरायल जाएंगे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से मुलाकात करेंगे।

### हर नागरिक की मौत एक त्रासदी है- सुनक

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि ऋषि सुनक 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमले के मद्देनजर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करने के लिए तेल अवीव पहुंचेंगे। सुनक ने अपनी यात्रा से पहले एक बयान में कहा कि हमास के भयावह कृत्य के बाद कई लोगों की जान चली गई है। हर एक नागरिक की मौत एक त्रासदी है।

### मानवीय सहायता की अनुमति देने का करेंगे आग्रह

उन्होंने कहा कि गाजा अस्पताल पर मंगलवार को हुए एक घातक विस्फोट के बाद दुनिया भर के नेताओं को संघर्ष की खतरनाक स्थिति से बचने के लिए एक साथ आना चाहिए। इसके अलावा ऋषि सुनक गाजा में जल्द से जल्द मानवीय सहायता की अनुमति देने और वहां फंसे ब्रिटिश नागरिकों को निकलने में सक्षम बनाने के लिए एक मार्ग खोलने का भी आग्रह करेंगे।

### सात ब्रिटिश नागरिक मारे गए

ब्रिटिश पीएमओ ऑफिस के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया था कि इजरायल पर हमास के हमले के बाद से सात ब्रिटिश नागरिक मारे गए और नौ लापता हैं। सुनक की यात्रा के अलावा ब्रिटिश विदेश सचिव जेम्स क्लेवरली संघर्ष पर चर्चा करने और शांतिपूर्ण समाधान की तलाश के लिए अगले तीन दिनों में मिस्र, तुर्किये और कतर की यात्रा करेंगे।

# ग्लाइडर से उड़कर इजरायल में घुसे थे हमास आतंकी, अब भारत ने लिया बड़ा फैसला

**नई दिल्ली। एजेंसी**

उस दिन हमास के आतंकी जमीन से नहीं बल्कि आसमान से इजरायल में कूदे थे। जी हां, 7 अक्टूबर को हैंग ग्लाइडर से हुए आतंकी हमले को देखते हुए भारत ने बड़ा फैसला लिया है। भारत सरकार की तरफ से ञ्उर्ण ने हैंग ग्लाइडर ऑपरेशन के नियमों को काफी सख्त कर दिया है। ञ्उर्ण ने 16 अक्टूबर को हैंग ग्लाइडर संबंधी नियमों को संशोधित किया। इसके तहत अब कोई भी व्यक्ति डीजीसीए से मान्यता प्राप्त परीक्षक/प्रशिक्षक से परमिशन मिले बिना ग्लाइडर नहीं उड़ा सकता है। जानें हमास की तरह के हमले से बचने के लिए भारत में क्या-क्या फैसला किया गया। संशोधित नियमों के मुताबिक परीक्षक/प्रशिक्षक वह व्यक्ति होगा जिसने पावर्ड हैंग ग्लाइडर पर 50 घंटे बिताए हों और ड्यूल मशीन पर कम से कम 10 घंटे काम किया हो।

इस तरह के परीक्षक/प्रशिक्षक दूसरे व्यक्तियों की जांच करेंगे और उन्हें उड़ान भरने की स्वीकृति देंगे। डीजीसीए चीफ विक्रम देव दत्त की ओर से हैंग ग्लाइडर को बनाने, पंजीकरण और ऑपरेशन के लिए जारी संशोधित नियमों में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति पावर्ड हैंग ग्लाइडर पर तब तक नहीं उड़ेगा जब तक वह 25 घंटे के उड़ान अनुभव वाला कॉमर्शल लाइसेंसधारी पायलट हो या पावर्ड हैंग ग्लाइडर पर 50 घंटे की उड़ान के अनुभव के साथ उसे मान्यता मिली हो।

वैसे इन ग्लाइडर्स को कौन ऑपरेट कर सकता है, ये बदलाव अब किए गए हैं लेकिन हैंग ग्लाइडर्स को लेकर सुरक्षा प्रोटोकॉल पहले से हैं। डीजीसीए के प्रमाण पत्र के बगैर ग्लाइडर को बेचा नहीं जाएगा। गृह मंत्रालय की तरफ से संभावित खरीदारों के सत्यापन के बाद डीजीसीए की तरफ से प्रमाण पत्र प्रदान दिया जाएगा।

# क्रिकेट वर्ल्ड कप से इकॉनमी को मिल रहा है बूस्ट, 22,000 करोड़ रुपये का ऐसे होगा फायदा

**नई दिल्ली। एजेंसी**

क्रिकेट भारत में खेल नहीं है बल्कि त्योहार हो गया है। इसी त्योहार के महाकुंभ, विश्वकप 2023 की शुरुआत बीते 5 अक्टूबर को ही हो गई है। इस विराट आयोजन से भारत के जीडीपी को जबरदस्त बूस्ट मिलने की उम्मीद है। इसकी झलक दिखनी शुरु भी हो गई है। इस बारे में बैंक ऑफ बड़ौदा के अर्थशास्त्रियों ने एक स्टडी रिपोर्ट भी जारी की है। इसमें अनुमान लगाया है कि क्रिकेट विश्व कप 2023 की मेजबानी से भारत की जीडीपी को करीब 220 अरब यानी 22,000 करोड़ का बूस्ट मिलने की उम्मीद है।

**एविएशन, हॉस्पिटेलिटी से लेकर मीडिया इंडस्ट्री तक को फायदा**

क्रिकेट विश्वकप की 12 साल बाद भारत में वापसी हुई है। वहीं, यह पहला मौका है जब भारत अकेले विश्वकप की मेजबानी कर रहा है। विश्वकप जहां खेल प्रेमियों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं है, वहीं, विश्वकप की मेजबानी का फायदा भारतीय अर्थव्यवस्था को भी होने की उम्मीद है। विश्वकप की मेजबानी से एविएशन इंडस्ट्री, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर, होटल्स, फूड इंडस्ट्री, डिलिवरी सर्विसेज को फायदा होने की उम्मीद है।

**10 शहर 48 मैच**

इसी महीने की शुरुआत में क्रिकेट विश्व कप का पहला मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया, जिसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया। इसके बाद बीते शनिवार को अहमदाबाद में ही भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मैच के दिन भी भारी उत्साह दिखा। हर चार साल में होने वाला क्रिकेट विश्व कप नवंबर के मध्य तक 45 दिनों तक चलेगा, जिसमें 10 शहरों में 48 मैच होंगे। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस बड़े आयोजन से देश में आर्थिक गतिविधियों को काफी बढ़ावा मिल सकता है।

**देशी-विदेशी टूरिस्ट आ रहे हैं**

क्रिकेट मैच देखने के लिए बड़े पैमाने पर देशी-विदेशी पर्यटक शहर-शहर पहुंच रहे हैं। टूरिस्ट इंडस्ट्री से जुड़े लोग भी बता रहे हैं कि इससे टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। ट्रेवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ऊँइघ के वाइस प्रेसिडेंट अनिल कलसी का कहना है कि कोई भी व्यक्ति ट्रेवल करके कोई शहर सिर्फ मैच देखने तो जाएगा नहीं। वह एक-आध दिन और ठहर कर उस शहर के पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेगा। कुछ वहां की चीजों की खरीदारी करेगा। उस शहर में व्हीकल का यूज करेगा। इससे उस शहर में हॉस्पिटेलिटी इंडस्ट्री को नई जान मिल जाएगा।

**पिछले साल का टूटेगा रिकार्ड**

अर्थशास्त्रियों का यह भी कहना है कि टूर्नामेंट की कुल दर्शकों की संख्या 2019 में देखे गए 552 मिलियन दर्शकों के रिकॉर्ड को पार करने की उम्मीद है। हालांकि अभी कल ही लखनऊ में जो मैच हुआ था, उसमें दर्शकों की टोटा महसूस किया गया था। लेकिन अर्थशास्त्रियों की मानें तो इस खेल में सिर्फ टिकटों की बिक्री से 105 अरब रुपए से 120 अरब रुपए के आमदनी हो सकती है।

**सरकार का भी बढ़ेगा टैक्स कलेक्शन**

इस खेल से सरकार को भी कर राजस्व का बड़ा फायदा होगा। इस खेल के दौरान 10 सेकेंड के टीवी कामर्शियल का भाव 30 लाख रुपये का है। मतलब कि एक सेकेंड की कीमत तीन लाख रुपये। इसमें भी सरकार को जीएसटी मिलेगी। होटल बुकिंग, खाना-पीना, टैक्सी बुकिंग, खरीदारी, सबसे सरकार को अप्रत्यक्ष कर मिलेगा।

**एविएशन इंडस्ट्री को फायदा**

हालांकि अभी त्योहारी मौसम चल रहा है। ऐसे में ट्रेवल बढ़ जाता है, इसलिए हवाई जहाज भर कर उड़ते हैं। अब इसी बीच क्रिकेट मैच हो रहा है। लोग मैच देखने के लिए भी हवाई जहाज का इस्तेमाल करेंगे। इसलिए एविएशन इंडस्ट्री को फायदा होगा। खास कर उन शहरों की फ्लाइट, जहां क्रिकेट मैच होना है, उसके भाव तो पहले भी बढ़ चुके हैं। इस दौरान चार्टर्ड फ्लाइट्स की भी डिमांड बढ़ जाती है। चार्टर्ड फ्लाइट्स की आवाजाही बढ़ने से एयरपोर्ट की भी आमदनी बढ़ती है।

# AI की दुनिया बदलने की तैयारी में Nvidia और Foxconn!

## क्या है इन दिग्गज कंपनियों का प्लान

**नई दिल्ली। एजेंसी**

दुनिया की सबसे वैल्यूएबल चिपमेकर कंपनी एनवीडिया (Nvidia) और कॉन्ट्रैक्ट पर इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली ताइवान की दिग्गज कंपनी फॉक्सकॉन (Foxconn) ने एआई के क्षेत्र में बड़ी डील की है। दोनों कंपनियों ने एआई फैक्ट्रीज बनाने के लिए हाथ मिलाया है। दोनों कंपनियों का कहना है कि यह एक नए तरह का डेटा सेंटर होगा जो कई तरह के ऐप्लिकेशंस के लिए एनवीडिया के चिप का इस्तेमाल करेगा। इनमें ऑटोनोमस वीकल्स और रोबोटिक्स प्लेटफॉर्म्स की ट्रेनिंग शामिल है। सेमीकंडक्टर चिप को लेकर अमेरिका और चीन में ठनी हुई है। अमेरिका ने हाल में चीन को एडवांस्ड चिप देने पर पाबंदी लगा दी है। इससे एनवीडिया की दिक्कतें बढ़ गई है। इससे कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट आई और एक ही दिन में उसका मार्केट कैप 100 अरब डॉलर गिर गया था। अमेरिका के प्रतिबंधों के बाद एनवीडिया चीन को हाई-एंड आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस चिप A800 और H800 की बिक्री नहीं कर पाएगी। कंपनी ने ये चिप खासतौर पर इन्हें चीन के लिए बनाए हैं। ताइवान में जन्मे एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग और फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू बुधवार को ताइपे में सालाना टेक इवेंट में एक साथ दिखे। हुआंग ने कहा कि एक नई तरह की मैन्यूफैक्चरिंग उभरकर आई है। यह इंटेलीजेंस और डेटा सेंटर के प्रॉडक्शन का मामला है जो एआई फैक्ट्रीज बनाती हैं। उन्होंने कहा कि फॉक्सकॉन के पास दुनियाभर में इस तरह की फैक्ट्रीज बनाने की क्षमता और अनुभव है।

### क्या है कंपनी की योजना

लियू ने कहा कि फॉक्सकॉन खुद के एक मैन्यूफैक्चरिंग सर्विस कंपनी से प्लेटफॉर्म सॉल्यूशन कंपनी में बदलने की कोशिश कर रही है। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ऐपल के आधे से अधिक प्रॉडक्ट फॉक्सकॉन ही बनाती है। कंपनी अब अपने बिजनस का विस्तार कर रही है और पर्सनल कंप्यूटर तथा स्मार्टफोन की असेंबलिंग को दूसरे क्षेत्रों में दोहराना चाहती है। जून में लियू ने एक इंटरव्यू में कहा था कि आने वाले दशकों में इलेक्ट्रिक वीकल ग्रोथ का इंजन बनेंगे। एनवीडिया के एडवांस चिप्स की डिमांड पूरी दुनिया में बढ़ी है। इस कारण कंपनी के शेयरों में इस साल तीन गुना तेजी आई है और उसका मार्केट कैप एक ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गई है। यह दुनिया की छठी और अमेरिका की पांचवीं सबसे मूल्यवान कंपनी है। जनवरी में फॉक्सकॉन और एनवीडिया ने ऑटोनोमस वीकल प्लेटफॉर्म्स डेवलप करने के लिए पार्टनरशिप की थी। इसमें फॉक्सकॉन एनवीडिया के चिप्स का इस्तेमाल करने वाली कारों के लिए इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल यूनिट बनाएगी।

# हेल एनर्जी के क्रिकेट क्रेजी कैंपेन के लिए क्रिकेटर शार्दुल ठाकुर और मोहम्मद शमी बने ब्रांड एंबेसडर

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

क्रिकेट के लिए बेशुमार दीवानगी वाले देश में क्रिकेट के त्यौहार को सेलिब्रेट करने के लिए, भारत में सबसे प्रसिद्ध एनर्जी ड्रिंक ब्रांडों में से एक और कैन सेगमेंट में बाजार में अग्रणी हेल एनर्जी ने शार्दुल ठाकुर और मोहम्मद शमी को अपने क्रिकेट स्पेशल ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल किया। इस जोड़ी ने अपना लिमिटेड एडिशन पैकेज्ड एनर्जी ड्रिंक, हेल क्रिकेट क्रेजी लॉन्च किया। शार्दुल ठाकुर और मोहम्मद शमी दोनों भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं जो खेल के सभी प्रारूपों में भारत के लिए खेलते हैं। अलग अलग स्पोर्ट्स इवेंट को बढ़ाने और प्रोत्साहित करने के लिए अपनी कंज्यूमर कनेक्ट स्ट्रेटजी के अनुरूप, हेल एनर्जी ने कई साल पहले जब अपना अंतरराष्ट्रीय विस्तार शुरू किया था तब ऊँऊ विलियम्स फॉर्मूला वन टीम को को स्पॉन्सर किया था। हेल ने लिमिटेड एडिशन हेल फुटबॉल फैंटिक ड्रिंक लॉन्च करके फुटबॉल के प्रति अपने निर्विवाद प्रेम को भी दिखाया था, जिसमें फुटबॉलर डिज़ाइन एल्युमिनियम के डिब्बों में क्लासिक फ़िज़ी टूटी-फ्रूटी स्वाद वाली एनर्जी ड्रिंक थी।

कैंपेन पर हेल एनर्जी इंडिया के कंट्री हेड, श्री उन्नीकनन गंगाधरन ने कहा, 'हेल एनर्जी एक ऐसा ब्रांड है जिसने अलग अलग पार्टनरशिप से खेलों को लगातार समर्थन दिया है और अपने गहरे जुड़ाव के लिए कई लोगों से जुड़ा हुआ है। हमें गर्व है कि हम 2023 में सबसे लोकप्रिय क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान दो शानदार क्रिकेटरों के साथ जुड़े हैं। खेल के लिए उनके अटूट जुनून के साथ इन दो क्रिकेटरों द्वारा दिखाई गई गतिशीलता, शैली और स्वभाव उस संदेश को दिखलाता है जिसे हम ब्रांड के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं।'

# चीन में एक और रियल एस्टेट कंपनी हुई डिफॉल्टर

## पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा

**नई दिल्ली। एजेंसी**

चीन का रियल एस्टेट संकट गहराता जा रहा है। खबरों के मुताबिक देश की सबसे बड़ी प्राइवेट प्रॉपर्टी डेवलपर कंपनी कंट्री गार्डन ने भी विदेशी कर्ज के भुगतान में डिफॉल्ट किया है। इस कंपनी पर 11 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज और छह अरब डॉलर का घरेलू कर्ज है। इस डिफॉल्ट से चीन की मुश्किलें बढ़ गई है। इसकी वजह यह है कि चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट की करीब एक तिहाई हिस्सेदारी है। रियल एस्टेट कंपनियों के डूबने से बैंकों की हालत भी खस्ता हो सकती है और इससे पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा पैदा हो सकता है। जुलाई से सितंबर के दौरान चीन की इकॉनमी की ग्रोथ 4.9 परसेंट रही जो दूसरी तिमाही के 6.3इ से कम है।

चीन की सरकार ने हाउसिंग डिमांड को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं लेकिन मकानों की बिक्री पिछले साल की तुलना में काफी कम है। साल के पहले नौ महीनों में देश में प्रॉपर्टी इन्वेस्टमेंट में 9.1 परसेंट की गिरावट आई है। अगस्त में कंट्री गार्डन ने साल की पहली छमाही के आंकड़े जारी किए थे। इस दौरान कंपनी को रेकॉर्ड 6.7 अरब डॉलर का घाटा हुआ है। अगर कंपनी के डिफॉल्ट करने की पुष्टि होती है तो विदेशी कर्जदार रिस्ट्रक्चरिंग प्रोसेस के लिए फाइनेंशियल एडवाइजर्स से बातचीत शुरू कर सकते हैं। कंपनी पर कर्ज को देखते हुए इस प्रोसेस में लंबा समय लग सकता है।

### कैसे हुई संकट की शुरुआत

2021 में कंट्री गार्डन की प्रतिद्वंद्वी कंपनी एवरग्रैंड ने डिफॉल्ट किया था। इससे चीन में रियल एस्टेट संकट की शुरुआत हुई थी। कंपनी का चेयरमैन अभी पुलिस हिरासत में है। चीन की सरकार ने 2020 में रियल एस्टेट कंपनियों के कर्ज लेने की सीमा को लेकर नियम बनाए थे। इससे रियल एस्टेट इंडस्ट्री पूरी तरह हिल गई थी। किसी जमाने में एवरग्रैंड चीन की टॉप सेलिंग डेवलपर कंपनी थी। आज इस पर 300 अरब डॉलर से अधिक कर्ज है जो दुनिया में किसी भी रियल एस्टेट कंपनी पर सबसे अधिक कर्ज है। देश की कई रियल एस्टेट कंपनियों ने कर्ज के भुगतान में डिफॉल्ट किया है। इससे देश में कई प्रोजेक्ट लटके पड़े हैं। रियल एस्टेट के साथ ही चीन की इकॉनमी कई अन्य मोर्चों पर भी संघर्ष कर रही है। देश की इकॉनमी की ग्रोथ सुस्त पड़ गई है, लोकल गवर्नमेंट का कर्ज बढ़ता जा रहा है और बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है। मंदी की आशंका के कारण लोग खर्च करने से बच रहे हैं जिस कारण उपभोक्ता खपत भी सुस्त पड़ी है। विदेशी कंपनियां चीन से बोरिया-बिस्तर समेट रही हैं जबकि विदेशी निवेशक पैसा निकाल रहे हैं। रही-सही कसर अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव ने पूरी कर दी है।

# विजयदशमी के दिन घर में लाएं यह पौधा, घर आएगी मां लक्ष्मी

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। इस दिन भगवान राम ने रावण का वध किया था। इस साल दशहरा 24 अक्टूबर को मनाया जाएग। हमारे देश में हर त्योहार को मनाने का अलग अलग तरीका है। जैसे दशहरा पर कई जगहों पर शमी के वृक्ष की पूजा की जाती है। इतना ही नहीं शमी के पत्ते को बांटा भी जाता है। तो आइए जानते हैं क्यों दशहरे पर शमी का पौधा घर लाना चाहिए और शमी के वृक्ष की पूजा की जाती है। पूजा से आपको क्या लाभ मिलेगा।

मान्यताओं के अनुसार, दशहरे पर शमी की पेड़ की पूजा की जाए तो सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। साथ ही घर में मां लक्ष्मी का वास होता है और सभी देवी देवताओं की कृपा बनी रहती है। साथ ही घर में नकारात्मक शक्तियों का वास भी नहीं होता। पौराणिक कथा के अनुसार, महर्षि वर्तन्तु का शिष्य कौत्स थे। शिक्षा पूरी होने के बाद गुरु दक्षिणा के रूप में 14 करोड़ स्वर्ण मुद्रा की मांग की थी। गुरु दक्षिणा देने के लिए कौत्स महाराज रघु के पास गए। हालांकि, महाराज रघु का खजाना खाली हो गया था क्योंकि, कुछ दिन पहले ही उन्होंने महायज्ञ करवाया था। महाराज रघु ने कौत्स से तीन दिन का समय मांगे और धन जुटाने का रास्ता खोजने लगे। तभी उन्हें विचार आया कि अगर स्वर्गलोक पर आक्रमण किया जाए तो उसका खजाना फिर से भर सकता है। राजा के इस विचार से देवराज इंद्र घबरा गए और कोषाध्यक्ष कुबेर से रघु के राज्य में स्वर्ण की मुद्राओं की वर्षा का आदेश दिया। इंद्र देव के आदेश पर कुबेर ने रघु के राजा को शमी वृक्ष के माध्यम से स्वर्ण मुद्राओं की वर्षा करा दी थी। कहा जाता है कि जिन दिन यह स्वर्ण वर्ष हुई थी। उस दिन विजयदशमी तिथि थी। इसे लेकर एक और मान्यता प्रचलित है कि भगवान राम ने युद्ध पर जाने से पहले शमी के वृक्ष की पूजा की थी। वहीं, दूसरी कथा यह है कि जब पांडव अज्ञातवास पर थे तो उन्होंने अपने अस्त्र शमी के पेड़ में छिपाकर रखें थे।

### शमी की पूजा के लाभ

1.दशहरे के दिन शमी की पूजा करने से व्यक्ति कई प्रकार के संकटों से बचता है। साथ ही उसे हर क्षेत्र में सफलता मिलती है।

2. विजयदशमी के दिन अगर शमी की पूजा की जाए तो घर से हर तरह का तंत्र मंत्र का असर खत्म हो जाता है।

3. साथ ही शमी का पूजा करने से सभी प्रकार के दोष समाप्त हो जाते हैं। जैसे शनि की साढ़े साती, ढैय्या आदि।

# शरद पूर्णिमा पर बना चार शुभ योग का संयोग, जानें तारीख और मुहूर्त

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

शरद पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ था। इसलिए इस तिथि को सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। साथ ही इस दिन चंद्रमा भी अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होते हैं और अमृत की वर्षा करते हैं। इस दिन चंद्र देव की पूजा करना सबसे शुभ रहता है। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस बार शरद पूर्णिमा पर कई शुभ योग बनने जा रहे हैं। आइए जानते हैं कब है शरद पूर्णिमा।

### शरद पूर्णिमा मुहूर्त, तारीख और शुभ योग

इस बार शरद पूर्णिमा 28 अक्टूबर शनिवार के दिन है। इस दिन गजकेसरी योग, बुधादित्य योग, शश योग सौभाग्य योग और सिद्धि योग का शुभ संयोग भी रहने वाला है। साथ ही इस दिन साल का अंतिम चंद्रग्रहण भी लगने जा रहा है। भारत में भी यह चंद्रग्रहण दिखाई देगा। ऐसे में इसका सूतक काल मान्य होगा। बता दें कि चंद्रग्रहण लगने से पहले सूतक काल 9 घंटे पहले लग जाता है। 28 अक्टूबर के दिन पूर्णिमा तिथि आरंभ सुबह 4 बजकर 18 मिनट से हो रहा है पूर्णिमा तिथि 29 तारीख को 1 बजकर 54 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। शरद पूर्णिमा का व्रत जो लोग रखते हैं वह 28 अक्टूबर को ही इस व्रत को रखेंगे।

### शरद पूर्णिमा पूजा विधि

शरद पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि के बाद साफ वस्त्र धारण करके। व्रत का संकल्प लें।

इसके बाद चौकी पर पीला या लाल रंग का कपड़ा बिछाएं। भगवान सत्यनारायण की तस्वीर स्थापित करें और फिर पीले फूल, पीले वस्त्र, पीला फल, जनेऊ, सुपारी, हल्दी अर्पित करें।

ध्यान रखें की इस दिन भोग में भगवान को तुलसी डालकर ही अर्पित करें। साथ ही विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें। साथ ही इस दिन भगवान विष्णु को तुलसी डालकर भोग अर्पित करें।

साथ ही इस दिन चंद्रमा से संबंधित मंत्रओं का जप करें और लक्ष्मी जी से संबंधित मंत्रों का जप करें।

# शरद पूर्णिमा पर जरूर करें ये काम, हमेशा भरी रहेगी आपकी तिजोरी

हिंदू धर्म में शरद पूर्णिमा को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। विशेषकर शरद पूर्णिमा का दिन, देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसे कोजागरी भी कहते हैं। इस वर्ष शरद पूर्णिमा 28 अक्टूबर 2023, शनिवार को पड़ेगी। शरद पूर्णिमा का चंद्रमा शीतलता प्रदान करता है। पौराणिक मान्यता है कि शरद पूर्णिमा के दिन ही समुद्र मंथन के बीच मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं। इसलिए शरद पूर्णिमा के दिन देवी लक्ष्मी की पूजा करने से वे जल्दी प्रसन्न होती हैं और उनकी कृपा से पूरे साल धन की कमी नहीं होती है।

### बरसेगी मां की कृपा

शरद पूर्णिमा के दिन देवी लक्ष्मी को पान का पत्ता चढ़ाने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस दिन तैयार पान को मां लक्ष्मी को अर्पित करना चाहिए और पूजा के बाद घर के सभी सदस्यों को इसे प्रसाद के रूप में देना चाहिए।

### प्रसन्न होंगी मां लक्ष्मी

शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा की किरणें अमृत बरसाती हैं, इसलिए शरद पूर्णिमा के दिन चावल की खीर बनाकर रात भर खुले आसमान में रखी जाती है। फिर पूजा के बाद लोग इस खीर का सेवन करते हैं। शरद पूर्णिमा के दिन देवी लक्ष्मी को उनका पसंदीदा भोग, खीर और पसंदीदा पुष्प कमल अर्पित करें। इससे वे प्रसन्न होकर अपनी कृपा आप पर बरसाएंगी।

### लक्ष्मी स्तोत्र का करें पाठ

देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने का सबसे अच्छा उपाय शरद पूर्णिमा के दिन लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करना है। शरद पूर्णिमा की रात को स्नान कर, एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर मां लक्ष्मी की मूर्ति या फोटो स्थापित करें। फिर मां लक्ष्मी की विधिवत पूजा करें और लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करें। मां लक्ष्मी की कृपा से हमेशा धन-धान्य भरा रहेगा।

# दशहरा क्यों मनाते हैं, जानें दशहरा की कहानी

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

शारदीय नवरात्र के 9 दिन मां भगवती के व्रत करने के बाद 10वें दिन यानी कि दशहरे पर भगवान राम की पूजा की जाती है और दशहरे का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। हिंदू धर्म में विजयादशमी को बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के तौर पर मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान राम ने रावण का वध किया था। तभी से लोग हर साल लोग आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी को दशहरे के रूप में मनाते हैं। इस दिन रावण के पुतले का दहन करके दशहरे का त्योहार मनाया जाता है। इस साल दशहरा 24 अक्टूबर मंगलवार को मनाया जाएगा और इस दिन देश भर में जगह-जगह पर रावण के पुतले जलाए जाएंगे। आइए आपको बताते हैं इस त्योहार को मनाने के पीछे क्या हैं पौराणिक मान्यताएं।

### इसलिए मनाया जाता है दशहरा

14 वर्ष के वनवास के दौरान लंकापति रावण ने जब माता सीता का अपहरण किया तो भगवान राम ने हनुमानजी को माता सीता की खोज करने के लिए भेजा। हनुमानजी को माता सीता का पता लगाने में सफलता प्राप्त हुई और उन्होंने रावण को लाख समझाया कि माता सीता को सम्मान सहित प्रभु श्रीराम के पास भेज दें। रावण ने हनुमानजी की एक न मानी और अपनी मौत को निमंत्रण दे डाला। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने जिस दिन रावण का वध किया उस दिन शारदीय नवरात्र की दशमी तिथि थी। राम ने 9 दिन तक मां दुर्गा की उपासनी की और फिर 10वें दिन रावण पर विजय प्राप्त की, इसलिए इस त्योहार को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। रावण के बुरे कर्मों पर श्रीरामजी की अच्छाइयों की जीत हुई, इसलिए इसे बुराई पर अच्छाई की जीत के त्योहार के रूप में भी मनाते हैं। इस दिन रावण के साथ उसके पुत्र मेघनाद और उसके भाई कुंभकरण के पुतले भी फूंके जाते हैं।

### मां दुर्गा ने किया था महिसाषुर का वध

पौराणिक मान्यताओं में विजयादशमी को मनाने के पीछे एक और मान्यता यह बताई गई है कि इस दिन मां दुर्गा ने चंडी रूप धारण करके महिषासुर नामक असुर का भी वध किया था। महिषासुर और उसकी सेना द्वारा देवताओं को परेशान किए जाने की वजह से, मां दुर्गा ने लगातार नौ दिनों तक महिषासुर और उसकी सेना से युद्ध किया था और 10वें दिन उन्हें महिसाषुर का अंत करने में सफलता प्राप्त हुई। इसलिए भी शारदीय नवरात्र के बाद दशहरा मनाने की परंपरा है। इसी दिन मां दुर्गा की मूर्ति का भी विसर्जन किया जाता है।

# टाटा मोटर्स ने सफारी और हैरियर को नए अवतार में लॉन्च किया

## भारतीय सड़कों पर सबसे सुरक्षित वाहनः नई सफारी और हैरियर ने हासिल की 5-स्टार GNCAP रेटिंग

**मुंबई। आईपीटी नेटवर्क**

भारत की प्रमुख ऑटोमोटिव निर्माता, टाटा मोटर्स ने आज अपनी आइकॉनिक, प्रमुख एसयूवी सफारी और ट्रेंड स्थापित करने वाली प्रीमियम एसयूवी हैरियर को नए अवतार में लॉन्च करने की घोषणा की है। डिज़ाइन में महत्वपूर्ण बदलाव और कई दूरदर्शी टेक्नोलॉजी के साथ, नई सफारी और हैरियर उद्योग में नए मानक स्थापित करने के लिए संपूर्ण अनुभव को बेहतर बनाएंगी। प्रतिष्ठित ग्लोबल NCAP 5-स्टार रेटिंग के साथ प्रमाणित, नई सफारी और हैरियर ने वयस्क सवार सुरक्षा (00.00/00) और बाल सवार सुरक्षा (00.00/00) के लिए किसी भी भारतीय कार द्वारा सर्वाधिक स्कोर अर्जित करने की उपलब्धि हासिल की है जो इन्हें भारतीय सड़कों पर दौड़नेवाली सबसे सुरक्षित वाहन बनाती है।

लैंड रोवर के जाने माने डी8 प्लैटफॉर्म से लिए गए ओमेगाआर्क आर्किटेक्चर पर

निर्मित, यह शक्तिशाली और स्टाइलिश एसयूवी ? 00,00,000 (नई सफारी के लिए) और ? 00,00,000 (नई हैरियर के लिए) की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध हैं। इन्हें चार अलग अलग पर्सोना में पेश किया जा रहा है जो आज के एसयूवी ग्राहकों की प्राथमिकता और बहुआयामी जीवनशैली को दर्शाती हैं। नई सफारी और नई हैरियर को लॉन्च करते हुए श्री शैलेश चंद्रा, मैनिजिंग डायरेक्टर, टाटा मोटर्स पैसेंजर व?हीकल्स एंड टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ने कहा, "सुरक्षा, उत्कृष्टता और अनुभव के मामलों में नई सफारी और नई हैरियर एक नए दौर की शुरूआत करती हैं। इनके मॉडर्न डिज़ाइन, बेहतरीन बिल्ड, गजब का स्टान्स, स्मार्ट टेक्नोलॉजी और एडवांस्ड सेगमेंट फीचर्स ने स्टाइल, ड्राइव करने की योग्यता और श्रेणी में सर्वोत्तम होने के लिए इंडस्ट्री के बेंचमार्क को और भी ऊंचा कर दिया है। प्रत्येक एसयूवी अब अपने मालिक के पर्सोना (व्यक्तित्व) का ही एक विस्तार और डिज़ाइन, टेक्नोलॉजी और परफॉर्मेंस का सबसे योग्य मिश्रण है। इनकी 5-स्टार ग्लोबल NCAP रेटिंग के साथ, जो आज तक किसी भी भारतीय वाहन द्वारा प्राप्त किया गया सर्वाधिक स्कोर है, हमारी एसयूवी भारतीय सड़कों पर सबसे सुरक्षित जगहें हैं।

# ओला ने भारत ईवी फेस्ट की घोषणा की त्योहारों के लिये आकर्षक ऑफर पेश किए

## एक्सचेंज ऑफर के साथ मिलेगी नए वाहन

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने 16 अक्टूबर से देश में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए अपने सबसे बड़े उत्सव ओला भारत ईवी फेस्ट की घोषणा की है इसके साथ ही त्योहारों से पहले ओला द्वारा भारत का सबसे बड़ा टू-व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहन एक्सचेंज कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें कई शानदार ऑफर के साथ आकर्षक छूट और बैटरी एश्योरेंस योजनाएं प्रदान की जा रही हैं। ओला इलेक्ट्रिक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, अंशुल खंडेलवाल ने कहा हम त्योहारों की तैयारी सामूहिक रूप से कर रहे हैं इसलिए भारत ईवी फेस्ट शुरू करके हम बहुत उत्साहित हैं टू-व्हीलर सेगमेंट में एंडआइसएज

की प्रतिबद्धता के साथ हम इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सबसे अनोखा जश्न लेकर आये हैं। इस दिवाली भारत ईवी फेस्ट में हमारे ग्राहकों को ईवी खरीदने का सबसे उपयुक्त समय मिल रहा है। हम सभी से आग्रह करते हैं कि वो हमारे एक्सपीरिएंस सेंटर आएँ और हमारे हाई परफॉर्मेंस स्कूटरों की टेस्ट राइड लेकर देखें।'

ओला के भारत ईवी फेस्ट में ग्राहकों को ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने पर 24,500 रुपए तक के बेनेफिट्स मिलेंग जिनमें बैटरी पर 5 साल वॉरंटी, एक्सचेंज बोनस, और नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ आकर्षक फाइनेंसिंग स्कीम शामिल हैं यह इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए सबसे उपयुक्त समय है, क्योंकि इन त्योहारों के दौरान ओला स्कूटर की टेस्ट राइड लेने वाले ग्राहकों को कई रोमांचक पुरस्कारों के साथ हर दिन एक एस1एक्स ज़ीतने का मौका मिलेगा।

5-इयर बैटरी प्रॉमिज ग्राहकों का विश्वास जीतने के लिए ओला ने 5-ईयर बैटरी प्रॉमिज प्रोग्राम पेश किया है। कंपनी अपने फ्लैगशिप उत्पाद एस1 प्रो पर 5 साल की एक्सटेंडेड बैटरी वॉरंटी निशुल्क और एस1 एयर के लिए 5 साल की एक्सटेंडेड बैटरी वॉरंटी में 50ः की छूट दे रही है। एक्सचेंज प्रोग्राम त्योहारों का जोश बढ़ाते हुए ओला ने अपने 1000 एक्सपीरिएंस सेंटर्स में अब तक का सबसे बड़ा आईसीई-टू-ईवी एक्सचेंज कार्यक्रम शुरू किया है। ग्राहकों को अब अपने पुराने आईसीई टू-व्हीलर के बदले में ओला स्कूटर खरीदने पर 10,000 रुपये तक का एक्सचेंज बोनस दिया जाएगा।

## हीरो मोटोकॉर्प ने 100 डीलरशिप्स पर 1,000 हार्ले डेविडसन X440 की बिक्री की नई बुकिंग विंडो अब खुल गई है

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

दुनिया में मोटरसाइकिल और स्कूटर के सबसे बड़े निर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने त्योहार की खुशियों को और बढ़ाते हुए 15 अक्टूबर से हार्ले-डेविडसन X440 की डिलीवरी शुरू कर दी है। हार्ले-डेविडसन X440 मोटरसाइकिल की मेगा डिलिवरी 100 डीलरशिप से संचालित की गई। इसमें देश के अलग-अलग भागों में हार्ले-डेविडसन और हीरो मोटोकॉर्प के चुनिंदा आउटलेट्स शामिल हैं। भारत के उत्तरी राज्य राजस्थान के नीमराणा में हीरो मोटोकॉर्प की फैक्ट्री -गार्डन फैक्ट्री में हार्ले-डेविडसन X440 का निर्माण किया जा रहा है। जुलाई 2023 में अपने लॉन्च के बाद से, हार्ले-डेविडसन X440 ने भारत में प्रीमियम सेग्मेंट के उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित किया है। अपने प्रदर्शन के महज एक महीने के भीतर इस मोटरसाइकिल की 25 हजार से ज्यादा बुकिंग कराई गई। हीरो मोटोकॉर्प के चीफ एक्जिक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) श्री निरंजन गुप्ता ने कहा, 'हम अपने उपभोक्ताओं के खिले हुए चेहरे और मुस्कान देखकर बेहद उत्साहित हैं क्योंकि हमने फेस्टिव सीजन के पहले दिन से ही इस बाइक की डिलिवरी लोगों को देनी शुरू कर दी है। हमारी यह कोशिश रहेगी कि हम अगले चार-महीनों में उन सभी उपभोक्ताओं को बाइक की डिलिवरी कर दें, जिन्होंने इस बाइक की बुकिंग कराई है। हमारी सप्लाई चेन में पहले ही बाइक की उत्पादन क्षमता बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हम भारत में रहने वाले हर उपभोक्ता को यह बाइक उपलब्ध कराना चाहते हैं, जो हार्ले डेविडसन बाइक को खरीदना चाहते हैं। हम उनके लिए इस बाइक के इंतजार के समय को कम से कम करते हुए लगातार आगे बढ़ना चाहते हैं।

## किसानों को दिया दिवाली गिफ्ट, छह फसलों का MSP बढ़ाया

**नई दिल्ली। एजेंसी**

देश के करोड़ों किसानों के लिए अच्छी खबर है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रबी की छह फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी में बढ़ोतरी का फैसला किया है। इनमें तिलहन और सरसों, मसूर, गेहूं, जौ, चना और सनफ्लावर शामिल है। मसूर के एमएसपी में सबसे ज्यादा 425 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है जबकि तिलहन और सरसों का एमएसपी 200 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया गया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट और सीसीईए की बैठक में यह फैसला लिया गया है। बढ़ी हुई कीमत मार्केटिंग सीजन 2024-25 से लागू होगी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने संवाददाताओं से कहा कि कैबिनेट ने आज देश के करोड़ों किसानों के हित में एक अहम फैसला लिया है। छह फसलों का एमएसपी बढ़ा दिया गया है। सीएसीपी की सिफारिशों के आधार पर यह तय किया जाता है। सरकार किसानों की आय बढ़ाने के प्रति कृतसंकल्प है। तिलहन और सरसों में 200 रुपये, मसूर के लिए 425 रुपये, गेहूं के लिए 150 रुपये, जौ के लिए 115 रुपये, चने के लिए 105 रुपये और सनफ्लावर के लिए भी 150 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है।उन्होंने कहा कि तिलहन, दलहन और मोटे अनाज की पैदावार बढ़ाने के लिए सरकार ने पिछले कुछ साल में कई कदम उठाए हैं। पिछले आठ साल में अनाज की पैदावार में 31 परसेंट की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान अनाज की पैदावार 251.54 मिलियन टन से बढ़कर 330.54 मिलियन टन पहुंच गई है। इसी तरह दलहन की पैदावार 27.5 मिलियन टन, और तिलहन की 41 मिलियन टन पहुंच गई है। विदेशों से आयात पर निर्भरता घटाने पर जोर दिया जा रहा है।

# OPPO ने भारत में Find N3 Flip लॉन्च किया

## फोल्डेबल स्मार्टफोन के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित किया

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

OPPO इंडिया ने 94,999 रुपए में अपना नया फोल्डेबल, Find N3 Flip पेश किया है। यह फ़ोल्डेबल फ़ोन 22 अक्टूबर, शाम 6 बजे से क्रीम गोल्ड और स्लीक ब्लैक कलर्स में OPPO स्टोर्स, फ्लिपकार्ट और मेनलाइन रिटेल आउटलेट्स पर मिलना शुरू हो जाएगा। Find N3 Flip का वजन केवल 198 ग्राम है, तथा मोड़े जाने पर 8.55 सेमी मोटा यह फ्लिप फ़ोन पर्स या पॉकेट में आसानी से आ जाता है। इस स्मार्टफोन में फ्लिप डिवाइस में पहली बार पर हैसलब्लैड-बैक्ड ट्रिपल-रियर-कैमरा सेटअप दिया गया है।

Find N3 Flip में 17:9 एस्पेक्ट अनुपात के साथ 3.26 इंच की बड़ी वर्टिकल कवर स्क्रीन है। इसमें वर्टिकल ओरिएंटेशन के लिए 90% से ज़्यादा एंड्रॉयड ऐप्स को ऑप्टिमाइज़ किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप, Find N3 Flip जीमेल, फोटो, आउटलुक, उबर, एक्स (पूर्व में ट्विटर) और गूगल मैप्स सहित 40+ ऐप्स को सपोर्ट करता है, जो सीधे इसके डिस्प्ले से चलाये जा सकते हैं। इसकी कवर स्क्रीन ईमेल और इंस्टैंट मैसेजेस का जवाब देने के लिए क्वर्टी कीबोर्ड को सपोर्ट करती है। यह मैसेजेस, कैमरा, बैटरी, रिकॉर्डर, टाइमर और टू डू सहित 20 स्टाइल्स और तीन क्विक एक्सेस विगेट्स में कस्टमाइज़ किया जा सकता है।

इस OPPO स्मार्टफोन के बाएं किनारे पर एक अलर्ट स्लाइडर भी है। इस मैकेनिकल कंट्रोल द्वारा Find N3 Flip खोले बिना साइलेंट, वाइब्रेट और रिंग मोड के बीच स्विच किया जा सकता है। इसमें फ्लैगशिप-ग्रेड 4nm मीडियाटेक डाइमेन्सिटी 9200 चिपसेट और ध्इझ्ध की सुपरवूक फास्ट-चार्जिंग के साथ 4300mAh बैटरी किसी भी फ्लिप स्मार्टफोन में सबसे ज़्यादा शक्तिशाली है। फाइंड के लेटेस्ट एडिशन के बारे में OPPO इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, दमयंत सिंह खनोरिया ने कहा, 'इस साल फाइंड एन2 फ्लिप की सफलता के बाद हम अपना नया फ्लिप, Find N3 Flip पेश करके बहुत उत्साहित हैं। इस नये फ्लिप में फाइंड एन2 के मुक़ाबले कवर स्क्रीन की फ़ंक्शनलिटी, कैमरा अनुभव और परफ़ॉर्मेंस में काफ़ी सुधार किया गया है।

# शक्ति पम्पस् को मोटर स्टार्टर के लिए मिला एक और पेटेंट

## एडीए कन्वर्जन बेस्ट कान्टेक्टर लैस सॉफ्ट स्टार्टर लाएगा उपयोगकर्ताओं के लिए आसानी

**पीथमपुर। आईपीटी नेटवर्क**

एनर्जी एफिशिएंट पम्पस् और मोटर्स के साथ साथ सोलर पंपिंग सॉल्यूशन प्रदान करने वाली देश की अग्रणी कंपनी शक्ति पम्पस(इंडिया) लिमिटेड को एक खास मोटर स्टार्टर एडीए कन्वर्जन बेस्ट कान्टेक्टर लैस सॉफ्ट स्टार्टर के लिए एक पेटेंट हासिल किया है। इस पेटेंट के जुड़ जाने से अब शक्ति पम्पस् के पास कुल 5 पेटेंट हो गए हैं। इतना ही नहीं, 25 और पेटेंटस् के लिए देश में और अंतर्राष्ट्रीय न्यायालयों में आवेदन किया जा चुका है। भारत सरकार पेटेंट अधिनियम 1970 के अनुसार शक्ति पम्प को यह पेटेंट प्रदान किया गया है। इस पेटेंट की वैलिडिटी फाईल करने की दिनांक से 20 वर्ष तक है।

इस उपलब्धि पर शक्ति पम्पस्इंडिया लिमिटेड के चैयरमेन श्री दिनेश पाटीदार ने कहाः-'हमें अपने नए पेटेंट के बारे में बताते हुए बेहद खुशी हो रही है। ग्राहक इस तकनीक का उपयोग अपने स्मार्ट फोन के माध्यम से कर सकते है जिससे उनकी उपस्थिति का समय कम किया जा सकता है। मेरा विश्वास है कि यह स्टार्टर बिजली विभाग के लिए भी काफी उपयोगी होगा क्योंकि यह मोटर पर लोड को कम करने के साथ साथ ट्रांसमिशन सिस्टम में केबल, ट्रांसफार्मर और अन्य इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल कम्पोनेन्ट्स सहित पूरे सिस्टम की लाईफ को भी बढ़ाएगा। कुल मिलाकर, इस इनोवेशन से उम्मीद है मैंटेनेंस की जरूरतों में कमी आएगी और सिस्टम की लाईफ भी दुगुनी होगी।

एडीए कन्वर्जन बेस्ट कान्टेक्टर लैस सॉफ्ट स्टार्टरएक आधुनिक ष्ष्ऊ डिवाईस है जो एक विशेष तकनीक का उपयोग करके मोटर को सुचारु रुप से चालू और बंद करता है। शुरुआती समय को एक मिनट तक बढ़ाने की क्षमता के साथ, यह तकनीक बेहतर शुरुआती टॉर्क, बिना झटके के शुरुआत, बढ़ते इनरश करंट और सटीक नियंत्रण के लाभों के साथ-साथ एक सॉफ्ट शुरुआत प्रदान करता है। इसकी अनुकूलन क्षमता के कारण, यह किसी भी मोटर, औद्योगिक इंस्टॉलेशन और कन्वेयर बेल्ट सिस्टम क्षेत्रों में उपयोगों के लिए एक स्मार्ट विकल्प है। अपने बिना झटके के स्टार्टिंग और स्टॉपिंग गुणों के कारण, जो मोटर की ताकत और मोटर इन्सुलेशन लाईफ को बढ़ाता है, यह स्टार्टर लाइन स्टार्ट परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर्स (पीएमएसएम) के लिए भी एक प्रबल दावेदार है। यह इंडक्शन मशीन के लिए एक रेट्रोफिट समाधान है। स्टार्टर, अपनी मोटर सुरक्षा सुविधाओं, इनरश करंट प्रबंधन और सुरक्षा प्रावधानों के साथ, इलेक्ट्रिक मोटर की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए उपयोगी एवं जरुरी हैं।

# व्हेन क्योर इज क्राइम' का विमोचन हुआ

## पुराने गुर्दा रोग का पूर्ण इलाज संभव हैः डॉ. बीआरसी

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

ग्रेड सिस्टम के आविष्कारक एवं पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पैक), चंडीगढ़ के पूर्व छात्र, डॉ. बीआरसी के नाम से लोकप्रिय – डॉ. बिस्वरूप रॉय चौधरी ने कहा कि डायलिसिस या प्रत्यारोपण के बिना क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) का इलाज उपलब्ध है। अपनी पुस्तक 'व्हेन क्योर इज क्राइम' लॉन्च करते हुए उन्होंने यह दावा किया। पूरे भारत से कई रोगियों ने वर्चुअली जुड़कर, डॉ. बीआरसी द्वारा आविष्कृत ग्रैड सिस्टम से ठीक होने के अपने सुखद अनुभव साझा किए। उनकी मेडिकल इंजीनियरिंग की मदद से असाध्य रोगों का इलाज संभव है, जिसकी पुष्टि श्रीधर विश्वविद्यालय, पिलानी और दयानंद आयुर्वेदिक कॉलेज, जालंधर द्वारा किए गए अवलोकन अध्ययन में भी की गई है।

डॉ. बीआरसी ने कहा, 'ग्रैड प्रणाली के माध्यम से इलाज संभव है जिसने न केवल पुराने गुर्दा रोग, बल्कि कैंसर, थैलेसीमिया, लीवर फेल होने, डायबिटीज टाइप 1-2 और ब्रेन ट्यूमर जैसी लाइलाज बीमारियों को भी उलटने में मदद की है। परंतु, ब्रिटिश शासकों द्वारा लागू किए गए कानून पर आधारित ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज़ एक्ट 1954 की आड़ लेकर इस प्रणाली सहित सभी भारतीय प्रमुख चिकित्सा प्रणालियों को दबाया जा रहा है और अंग्रेजी दवा सिस्टम को बढ़ावा दिया जाता है।'

इससे पहले, 30 से अधिक पुस्तकों के लेखक डॉ. बीआरसी ने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ और आईआईटी, मंडी में ग्रैड सिस्टम पर व्याख्यान दिए थे, जहां उन्होंने कहा था कि गुरुत्वाकर्षण, तापमान और आहार नियंत्रण से लाइलाज बीमारियों को ठीक करने में सफलता मिली है। उनके हिम्स हॉस्पिटल में ग्रैड सिस्टम, डीआईपी डाइट, नेचुरोपैथी और आयुर्वेद की मदद से मरीजों को डायलिसिस, ट्रांसप्लांट, ब्लड ट्रांसफ्यूजन, डायबिटीज और हृदय रोगों से छुटकारा मिल रहा है।

ग्रैड सिस्टम में, गर्म पानी में बैठने और डीआईपी आहार प्रोटोकॉल को लागू करने से गुर्दे की पुरानी से पुरानी बीमारी ठीक हो जाती है। पैक से स्नातक और मधुमेह में स्नातकोत्तर, उन्हें डायबिटीज और क्रोनिक किडनी रोग में उल्लेखनीय कार्य के लिए श्रीधर विश्वविद्यालय द्वारा मानद पीएचडी से सम्मानित किया जा चुका है। अधिक जानकारी के लिए बिस्वरूप डॉट कॉम वेबसाइट देखें।

# फ्लिपकार्ट के 10वें बिग बिलियन डेज शॉपिंग इवेंट ने बनाया नया रिकॉर्ड

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

द बिग बिलियन 2023 के साथ फ्लिपकार्ट के वार्षिक फ्लैगशिप इवेंट ने सफलतापूर्वक 10 साल पूरे कर लिए हैं। लाखों ग्राहकों और सेलर्स की तरफ से मिली शानदार प्रतिक्रिया के साथ रविवार को यह शॉपिंग फेस्टिवल समाप्त हुआ। ग्राहकों के जबर्दस्त उत्साह के साथ टीबीबीडी के 10वें संस्करण के दौरान अर्ली एक्सेस एवं शॉपिंग फेस्टिवल के पहले 7 दिनों में रिकॉर्ड 1.4 अरब कस्टमर विजिट देखने को मिला।

इस शॉपिंग फेस्टिवल की सफलता और बिग बिलियन डेज के 10 वर्षों के प्रभाव पर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा इस साल के द बिग बिलियन डेज को देशभर से ग्राहकों और सेलर्स के व्यापक नेटवर्क की तरफ से शानदार प्रतिक्रिया देखने को मिली। यह ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैल्यू

एवं कन्वीनियंस प्रदान करने की फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता को दिखाता है। नए रिकॉर्ड बनाते हुए इस साल हमने अपने फुलफिलमेंट सेंटर, सोर्टेशन सेंटर और डिलीवरी हब समेत अपनी पूरी सप्लाई चेन में एक लाख रोजगार के नए अवसर सृजित किए। अपने किराना प्रोग्राम को विस्तार देते हुए हम भारत के रिटेल इकोसिस्टम में नए मानक भी बना रहे हैं। इस साल टीबीबीडी के शुरुआती दिनों में इन पार्टनर्स ने 40 लाख से ज्यादा डिलीवरी की। यह रिटेल इकोसिस्टम के प्रभाव को दिखाता है। साल दर साल लाखों लोग डिजिटल कॉमर्स को अपना रहे हैं। फ्लिपकार्ट के साथ अपने एक दशक के सफर को लेकर बेंगलुरु, कर्नाटक के फ्लिपकार्ट सेलर्स अभिषेक और सौरभ रेड ने कहा बीते वक्त को देखें तो हम यह कह सकते हैं कि पिछले 10 साल में हर साल हमारी बिक्री 100 प्रतिशत बढ़ी है और अभी भी हमारे विकास का यह क्रम रुका नहीं है। हम मैन्यूफैक्चरिंग और अपने सेटअप को विस्तार देने के मामले में भी मजूबती से बढ़ना चाहते हैं। यह हमारे लिए टीबीबीडी का 10वां संस्करण है और हमें 10 गुने से ज्यादा की वृद्धि की उम्मीद है।

# अब देखिए महीने में 10 मूवीज सिर्फ 69.90 रुपये प्रति फिल्म

## भारत के पहले सिनेमा सब्सक्रिप्शन प्रोग्राम पीवीआर ऑइनॉक्स पासपोर्ट के साथ

**इंदौर। आईपीटी नेटवर्क**

**भारत के लोग सिनेमा से बेहद प्यार करते हैं। कई लोगों के लिये थियेटर्स में नये-नये रिलीज देखना हफ्ते की सबसे बड़ी सौगात होती है। लेकिन आजकल लोग बढ़ती कीमतों को लेकर ज्यादा चिंतित हैं और इसलिये थियेटर जाने का लालच थोड़ा कम हो गया है। भारत में फिल्मों के प्रेमियों को अविश्वसनीय कीमतों पर फिल्में दिखाने के लिये, भारत की सबसे बड़ी मल्टीप्लेक्स चेन पीवीआर आइनॉक्स लिमिटेड ने अपनी नई पेशकश पासपोर्ट की घोषणा की है। पासपोर्ट एक मंथली सब्सक्रिप्शन पास है जोकि उन फिल्मी प्रेमियों के लिये सबसे बढ़िया है, जो किसी भी फिल्म की रिलीज को देखने से नहीं चूकना चाहते हैं। 16 अक्टूबर, 2023 से सब्सक्राइबर्स को किफायती कीमत पर सिनेमा देखने का बेजोड़ अनुभव मिलेगा। सोमवार से लेकर गुरुवार तक सब्सक्राइबर्स सिर्फ 699 रूपये में एक महीने में 10 फिल्में तक देख सकेंगे। इसका मतलब यह है कि हर फिल्म को देखने में सिर्फ 69 रूपये खर्च होंगे, लेकिन कंवीनिएंस फीस को छोड़कर। पीवीआर आइनॉक्स ने सीमित अवधि के एक ऑफर के तहत पासपोर्ट की पेशकश की है और इसके लिये सिर्फ 20000 सब्सक्रिप्शंस हो सकते हैं।**

बेहद अभिनव और पहले कभी न हुई इस पेशकश का लक्ष्य भारत में फिल्मों के लाखों प्रेमियों को खुले दिल से उम्दा अनुभव देना और उन्हें फिल्मों के लिये अपने शौक को ऐसे तरीके से जीने देना है, जिसमें टिकट की कीमत की कोई भूमिका न हो। यह पहल भारतीय दर्शकों के लिये फिल्मों को देखना ज्यादा सुलभ, खासकर वीकडेज़ पर, बनाते हुए रोमांच को दोबारा जीवित करना भी है। पीवीआर पासपोर्ट के लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए, पीवीआर आइनॉक्स लिमिटेड के को-

सीईओ गौतम दत्ता ने कहा, 'सिनेमा देखने का लालच हमेशा हावी रहता है, यह ऐसा लगाव है, जिसका पूरा अनुभव केवल बड़े पर्दे के आलीशान कैनवास पर मिल सकता है। पीवीआर में हम अपने प्यारे ग्राहकों की इच्छाएं पूरी करने के लिये प्रतिबद्ध हैं और हमने टिकट की कीमतों पर उनकी चिंता को करीब से सुना है, जिसके कारण कभी-कभी सिनेमा के जादू का मजा लेने में उन्हें बाधा होती है। इस गहरी समझ के साथ हम पासपोर्ट की पेशकश कर रहे हैं, जो कि मासिक सब्सक्रिप्शन वाला एक पास है, जिसे कीमतों से जुड़ी आपकी चिंताओं को दूर करने और आपको सिनेमा की दुनिया में मगन करने के लिये डिजाइन किया गया है। यह तरीका संभावित रूप से हमारे देश में फिल्में देखने के लिये थियेटर जाने का रिवाज बदल देगा। हमें विश्वास है कि ग्राहकों पर केन्द्रित हमारा यह नया प्रयोग विभिन्न जोनर्स में कंटेन्ट की व्यूअरशिप भी बढ़ाएगा, क्योंकि दर्शक अब ज्यादा खर्च किये बिना कंटेन्ट की नई-नई किस्मों का मजा ले सकेंगे।'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।